

Vargank	Name	Vidvan	Prakashak
AA02652	योगद्रष्टि समुच्चय	हरिभद्रसूरि (लेखक),धीरजलाल डाह्यालाल महेता (अनुवादक)	जैन धर्म प्रसारक सभा
AA00004	पञ्चसंग्रह (संस्कृतटीका, प्राकृत, हिन्दीभाषानुवादसहित)	हीरालाल (संपादक),आदिनाथ नेमिनाथ उपाध्याय (संपादक)	भारती ज्ञानपीठ प्रकाशन